पुलिस जनसुनवाई : 84 शिकायतें आईं, मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश

▶ बेटा-बहू, दामाद व अन्य रिश्तेदारों द्वारा परेशान करने की शिकायतें भी आईं

नव भारत न्यूज

इंदौर. हर मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में इस मंगलवार को 84 आवेदन आए. इन पर सुनवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए.

जनसुनवाई में पारिवारिक विवाद, जमीन-मकान से जुड़े धोखाधड़ी, फाइनेंशियल फ्रॉड, महिला अपराध और सुनवाई नहीं होने जैसी शिकायतें प्रमुख रहीं. कई मामलों में बेटा-बहू, दामाद व अन्य रिश्तेदारों द्वारा परेशान किए जाने की शिकायतें भी सामने आईं. जनसुनवाई में प्रत्येक आवेदक की समस्या गंभीरता से सुनी गई और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए गए. कई प्रकरणों में तुरंत कार्रवाई शुरू कराई गई, जबकि अन्य मामलों में निष्पक्ष जांच कर जल्द निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया. इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे.

अधिकारियों ने आवेदकों की विस्तार से सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कराई. पुलिस विभाग की ओर से भरोसा दिलाया गया कि हर शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए आमजन को जल्द राहत दी जाएगी. साथ ही मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान भी लगातार कराया जा रहा है. जनसुनवाई में मंगलवार को 84 शिकायतें सामने आईं. अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए. पारिवारिक विवाद, जमीन धोखाधड़ी और महिला अपराध के मामले प्रमुख रहे. कई मामलों में मौके पर कार्रवाई शुरू कराई गई.

राजा रघुवंशी हत्याकांड : भाई ने उठाए सवाल, आरोपी को मिल रही तारीखों पर नाराजगी

नवभारत न्यूज

इंदौर. चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में मृतक के भाई ने जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग दोहराई है.

मृतक के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को कोर्ट से बार-बार तारीखें मिल रही हैं, जबकि परिवार लंबे समय से मामले की निष्पक्ष जांच चाहता है. उनका आरोप है कि आरोपी की जमानत याचिका पर अब तक करीब 10 बार सुनवाई टल चुकी है.

उन्होंने बताया कि आज ही के दिन उनके भाई का शव शिलॉग में मिला था. इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि आरोपी बाहर है और परिवार न्याय के लिए भटक रहा है. विपिन के अनुसार सोनम की जमानत याचिका पर फिर सुनवाई होना है और उन्हें उम्मीद है कि अदालत से उसे राहत नहीं मिलेगी. उन्होंने कहा कि परिवार ने शुरू से ही सीबीआई जांच की मांग की, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया. उन्होंने भोपाल के ट्विशा शर्मा केस का उदाहरण देते हुए कहा कि कई मामलों में परिजनों की मांग पर सीबीआई जांच और दोबारा पोस्टमार्टम तक कराया जाता है, लेकिन उनके भाई के मामले में ऐसा नहीं हुआ. विपिन रघुवंशी का कहना है कि यदि मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाती तो कई अहम तथ्य सामने आ सकते थे. फिलहाल मामले में न्यायालयीन प्रक्रिया जारी है और अगली सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं.

पुजारी-श्रद्धालु पहुंचे कलेक्ट्रेट, सख्त कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज

इंदौर. देवगुराड़िया स्थित प्राचीन शिव मंदिर में कथित तोड़फोड़ और व्यवस्थाओं को लेकर विवाद एक बार फिर तूल पकड़ गया है. मंगलवार को मंदिर के पुजारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की.

इस दौरान पुजारी मंदिर परिसर से टूटी हुई पीतल की रैलिंग भी साथ लेकर पहुंचे और अधिकारियों को घटना की जानकारी दी. श्रद्धालुओं का आरोप है कि मंदिर में हुई इस घटना से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और मंदिर की व्यवस्था भी प्रभावित हुई है. पुजारी के अनुसार, बर्तन बाजार क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति लंबे समय से प्रत्येक सोमवार को मंदिर में दर्शन के लिए आता था. कुछ समय पहले उसका मंदिर प्रबंधन से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. आरोप है कि इसी विवाद के बाद शिवलिंग के चारों ओर लगी पीतल की रेलिंग को नुकसान पहुंचाया गया. घटना के बाद मंदिर प्रबंधन ने मामले की शिकायत खुड़ैल थाने में की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है.

इसी को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी है और उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है. श्रद्धालुओं का कहना है कि धार्मिक स्थल की गरिमा और व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके. फिलहाल प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन पर आगे की कार्रवाई का इंतजार है.

बेहतर पुलिसिंग के लिए 29 पुलिसकर्मी सम्मानित

▶ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए

इंदौर. शहर में बेहतर पुलिसिंग और उत्कृष्ट कार्य के लिए 29 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया.

पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया. कार्यक्रम का उद्देश्य बेहतर काम करने वाले कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाना है. सम्मानित पुलिसकर्मियों में अपराधियों की गिरफ्तारी, चोरी व धोखाधड़ी के मामलों में खुलासा, संवेदनशील क्षेत्रों में ड्यूटी, त्यौहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना, अज्ञात आरोपियों की पहचान, संगठित गिरोह के बदमाशों को पकड़ना, यातायात प्रबंधन और ड्रोन यूनिट संचालन जैसे कार्यों में अहम भूमिका निभाने वाले कर्मचारी शामिल रहे.

यातायात पुलिस के जवानों को प्रमुख चौराहों पर बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए सराहा गया, वहीं ड्रोन यूनिट के कर्मचारियों को तकनीकी सहायता देने के लिए सम्मानित किया. अपराध शाखा की टीम को फरार इनामी आरोपी को पकड़ने पर विशेष प्रशंसा मिली. इस मौके पर अधिकारियों ने सम्मानित पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए आगे भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया. पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह का कहना है कि उत्कृष्ट कार्य के लिए 29 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, ड्रोन संचालन और संवेदनशील क्षेत्रों में ड्यूटी के लिए नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र दिए गए.

जीवन के सभी संशयों को दूर करती है राम कथा : पं. शास्त्री

▶ विद्याधाम परिसर में चल रही श्रीराम कथा में मना शिव विवाह प्रसंग

इंदौर. राम का गुणगान शरीर के अंगों के साथ मन को भी पवित्र बनाता है। मन की पवित्रता के बिना हमारी पूजा, अर्चना और भक्ति फलीभूत नहीं हो सकती. राम कथा जीवन के सभी संशयों को दूर करती है. राम कथा का श्रवण हमें अविद्या के दोष से मुक्त कराता है. शिव श्रद्धा और पार्वती विश्वास के प्रतीक हैं. शिव और पार्वती का विवाह इस बात का सूचक है कि हमारा जीवन भी श्रद्धा और विश्वास के दो पहियों की गाड़ी पर ही आगे बढ़ सकता है.

ये विचार हैं आचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री के, जो उन्होंने मंगलवार को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के मातृशक्ति प्रकोष्ठ की मेजबानी में चल रही श्रीराम कथा में शिव विवाह प्रसंग की भावपूर्ण व्याख्या करते हुए व्यक्त किए. न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा एवं राजकिशोर शर्मा ने बताया कि कथा शुभारंभ के पूर्व मातृशक्ति प्रकोष्ठ की ओर से मुख्य यजमान श्रीमती पुष्पा-अशोक शर्मा, सरस्वती-दिनेश शर्मा, पिंकी-अखिलेश शर्मा, नीतू-अजय त्रिवेदी, गीता-अजय व्यास, पूनम-विजय शर्मा, सरोज-महेश शर्मा, मीना-प्रमोद जोशी एवं प्रीति ड्डआशीष पंडित ने व्यास पीठ का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी स्वाति-विनय शर्मा, भारती-अरविन्द शर्मा, श्रेया-चिराग शर्मा, ज्योति-सुनील खंडेलवाल, साधना-सुरेश शर्मा एवं रश्मि-ओमप्रकाश शर्मा ने की. प्रकोष्ठ की भारती शर्मा एवं पिंकी शर्मा ने बताया कि विद्याधाम परिसर में श्रीराम कथा का यह दिव्य आयोजन 7 जून तक प्रतिदिन शाम 3.30 से 7.30 बजे तक चलेगा.

आज संकष्टी चतुर्थी व्रत का उद्यापन - 3 जून को पुरुषोत्तम मास की चतुर्थी का व्रत करने वाली 61 माताओं के व्रत का सामूहिक उद्यापन भी होगा. जिनके लिए विद्याधाम परिसर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं.

जैन प्राच्यविद्या अनुसंधान संगठन करेगा पौधारोपण

इंदौर. श्री जैन प्राच्यविद्या अनुसंधान संगठन की मासिक संगोष्ठी में वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र गंगवाल का अभिनन्दन राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र सिंघई ने जैन पुरातत्व पाण्डुलिपि प्रदान कर किया. श्री गंगवाल ने संगठन द्वारा की जा रही अनुसंधान गतिविधियों की प्रशंसा की.

राष्ट्रीय परम् संरक्षक ज्योतिषाचार्य एम के जैन ने कहा कि संगठन द्वारा सेवा गतिविधियों के अन्तर्गत जून माह में मेडिकल इक्विपमेंट विभिन्न संस्थाओं को प्रदान किये जायेंगे एवं जुलाई माह में सदस्यों द्वारा वृहद् वृक्षारोपण किया जायेगा. होटल अप्सरा में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत आलोक जैन, पंकज जैन, सुषमा जैन, प्रीति पाडलिया, एस के जैन ने किया, इस अवसर पर मनोज जैन, मनीषा चेलावत, किरण मेहता, श्वेता जैन, अनुभा जैन विशेष रूप से उपस्थित थे.

घरों में स्वच्छता जरूर आई, लेकिन शुद्धता चली गई

▶ पांच दिवसीय वेंकटेश कथा महोत्सव में स्वामी माधव प्रपन्नाचार्य ने कहा

इंदौर. कलयुग में विषमताएं आ गई है, हम मंदिरों में भगवान के दर्शन करने कम भगवान से मांगने ज्यादा जाते हैं. बाकी सभी भगवान अवतार काल के लिए प्रकट हुए और लीला कर चले गए लेकिन वेंकटेश भगवान कलियुग में पूरे समय तक मौजूद रहेंगे. घरों में स्वच्छता जरूर आ गई लेकिन शुद्धता और पवित्रता चली गई है.

यह विचार रामानुज कोट उज्जैन के युवराज स्वामी स्वामी माधवप्रपन्नाचार्य ने माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज द्वारा शहर में पहली बार आयोजित पांच दिवसीय वेंकटेश कथा महोत्सव के दूसरे दिन माहेश्वरी भवन, नवलखा पर व्यक्त किये. आपने भगवान बालाजी के प्राकट्य की कथा कहते हुए कहा कि ब्रह्मा जी ने नारद जी को कलयुग में भगवान के अवतार कराने का कार्य सौंपा. तदनुसार नारद जी ने भगवान वेंकटेश के अवतार को सार्थक किया. प्रचार मंत्री जय झंवर, बिंदु हेड़ा, साधना मंडोवरा ने बताया कि आज प्रात: कथा पूर्व आयोजित कुमकुम अर्चना में परम पूज्य युवराज स्वामी डॉ. माधवप्रपन्नाचार्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को वैदिक परंपराओं के अनुसार भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी एवं माता पद्मावती लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना का आध्यात्मिक महत्व विस्तारपूर्वक समझाया.

जीवन की धन्यता सेवा और सत्कर्मों से ही संभव

इंदौर. हमारी भक्ति तभी सार्थक होगी जब मन और बुद्धि में श्रेष्ठ समन्वय होगा. निष्काम भक्ति को सर्वश्रेष्ठ माना गया है. भगवान को 56 भोग नहीं हमारा शुद्ध और पवित्र मन चाहिए. वे हमें मान देकर हमारा मन चाहते हैं. जीवन की धन्यता सेवा और सत्कर्मों से ही संभव है. प्रभु के प्रति समर्पण भाव के बिना भक्ति संभव नहीं है. भक्ति के बीज बचपन में ही अंकुरित हो जाना चाहिए, पचपन में नहीं.

ये विचार हैं प्रख्यात भागवताचार्य पं. आदित्य मुखिया के, जो उन्होंने मंगलवार को श्री दशा नीमा पंचायत ट्रस्ट द्वारा मालगंज चौराहा स्थित नवश्रृंगारित धर्मशाला भवन पर ट्रस्ट के हीरक जयंती महोत्सव एवं पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में चल रहे भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में बालक ध्रुव की भक्ति एवं नरसिंह अवतार प्रसंगों के दौरान व्यक्त किए. कथा शुभारंभ के पूर्व संयोजक सतीश नीमा मालक, दशा नीमा प्रगति मंच के पुष्पेन्द्र नीमा, रोहित नीमा, अजय नीमा आदि ने व्यास पीठ का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी सत्यनारायण नीमा, कमल नीमा, राजेंद्र नीमा, गिरधर गोपाल नीमा, अशोक महेश नीमा आदि ने की. संचालन अजय जौहरी ने किया। संयोजक सतीश नीमा मालक एवं अध्यक्ष सत्यनारायण नीमा ने बताया कि कथा में बुधवार 3 जून को वामन अवतार, श्रीराम अवतार, कृष्ण जन्म एवं नंद महोत्सव प्रसंगों की कथा होगी।

रजत पाटीदार की अगुवाई में ग्वालियर चीता आज उज्जैन फाल्कन्स को चुनौती देंगे

इंदौर. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को लगातार दो आईपीएल खिताब दिलाने के बाद, रजत पाटीदार अब अपने घर के करीब एक नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे जेकेसी स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली ग्वालियर चीता टीम की कप्तानी करने के लिए मध्य प्रदेश लीग टी20 सिंधिया कप 2026 में वापसी कर रहे हैं. पाटीदार एक ऐसी टीम की अगुवाई करेंगे जो 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने से चूक गई थी और अब नई उपलब्धि हासिल करने के लिए उत्सुक है. ग्वालियर चीता 2026 सीजन के उद्घाटन मैच में बुधवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में उज्जैन फाल्कन्स से भिड़ेगी.

हाल के वर्षों में मध्य प्रदेश से उभरने वाले सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक पाटीदार ने घरेलू और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में शानदार प्रगति की है। मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने से लेकर आईपीएल मंच पर खुद को एक नेता के रूप में स्थापित करने तक, यह दाएं हाथ का बल्लेबाज अब ग्वालियर चीता को उनका पहला खिताब दिलाने के लक्ष्य के साथ अपने परिचित माहौल में लौट रहा है. पहले मैच की पूर्व संध्या पर, जेकेसी स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक माधव सिंघानिया ने कहा हम रजत का ग्वालियर चीता परिवार में स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। कप्तान के रूप में लगातार दो आईपीएल खिताब जीतना उनके स्वभाव, नेतृत्व और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकालने की क्षमता को दर्शाता है. उनका ग्वालियर चीता की कप्तानी करने के लिए लौटना पूरी टीम को आत्मविश्वास और विश्वास देता है.

एक नजर में ▶ मठ पर चल रहे 108 भागवत पारायण में आज शाम होगी फूलों की संगीतमय होली

पंचमुखी हनुमान का पांच क्विंटल फलों की वाटिका में मनोहारी श्रृंगार

इंदौर. पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में मंगलवार को रजत मंडित पंचमुखी हनुमानजी को 11 किस्म के पांच क्विंटल फलों से निर्मित वाटिका में विराजित किया गया. तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने इस मनोहारी वाटिका के दर्शन कर मठ पर महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सानिध्य में चल रहे 108 श्रीमद भागवत पारायण में शामिल ब्राह्मणों का पूजन कर विभिन्न अनुष्ठानों में अपनी भागीदारी दर्ज कराई. 3 जून को शाम 8 बजे से मठ पर फूलों की संगीतमय होली का आयोजन होगा.

मठ के पुजारी महंत अमितदास ने बताया कि मठ पर पुरुषोत्तम मास में चल रहे अनुष्ठानों के तहत मंगलवार को भगवान पुरुषोत्तम, रणछोड़जी, टीकमजी एवं हंसेश्वर महादेव सहित अन्य देवालयों का भी मनोहारी पुष्प श्रृंगार किया गया. प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु आकर भागवत पारायण में शामिल विद्वान ब्राह्मणों एवं भागवतजी का पूजन कर पुण्य

लाभ उठा रहे हैं. हनुमानजी की फल वाटिका के दर्शन करने के लिए सुबह से देर रात तक तीन हजार से अधिक भक्तों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. फल वाटिका में पांच किस्म के आम, अनार, अंगूर, पपीता, चीकू, तरबूज एवं संतरा का प्रयोग किया गया। मठ पर प्रतिदिन पूजन-अर्चन के लिए भक्तों के समूह उमड़ रहे हैं. मंगलवार को भी गोवंश के लिए गोशाला में विशेष अन्नकूट का आयोजन कर गुड, दलिया, हरी सब्जी और अन्य व्यंजनों का भोग समर्पित किया गया.

▶ **विभिन्न शास्त्रोक्त अनुष्ठान**

पुजारी महंत अमितदास ने बताया कि मठ पर आचार्य पं. राजेश शास्त्री के निर्देशन में विभिन्न शास्त्रोक्त अनुष्ठान चल रहे हैं. मठ की परम्परा के अनुसार अधिकमास के उपलक्ष्य में पूरे माह प्रतिदिन सुबह 9 से 12 एवं शाम 4 से 7 बजे तक 108 विद्वानों द्वारा यह दिव्य अनुष्ठान किया जा रहा है जो 15 जून तक चलेगा.

एक नजर में

श्रोता संवाद की साहित्यक-गोष्ठी

इंदौर. हिन्दी परिवार इंदौर एवं श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मासिक साहित्यिक गोष्ठी श्रोता संवाद इस बार प्रसिद्ध शायर बशीरबद्र, गढ़ पिरौली, चंदपुर महाराज के राष्ट्रभाषा समिति प्रमुख मेजर डॉ प्रभात दुबे व पार्श्वगायिका सुमन कल्याणपुर को याद करते हुए इन्हें ही समर्पित रही. सर्वप्रथम वरिष्ठ साहित्यकार सदाशिव कौतुक ने दिवंगत हुए शायर बशीरबद्र के साथ गुजारे व मंच साझा किए गए अपने यादगार अनुभव को बताया. ततपश्चात अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार हरेराम वाजपेयी ने मेजर डॉ प्रभात दुबे के हिन्दी परिवार के सम्बन्धों को दर्शाते हुए उनका बशीर बद्र व पार्श्वगायिका सुमन कल्याणपुर को भी याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की. ततपश्चात काव्य गोष्ठी में डॉ रमेश चन्द्र, दिनेश दवे, डॉ आरती दुबे, डॉ कवीन्द्र भारद्वाज, अनिल ओझा, उर्मिला राडकवार और प्रदीप नवीन ने अपनी रचनाएं सुनाईं. कमल कासलीवाल ने रवीन्द्रनाथ टाकुर रचित प्रसिद्ध काव्य कृति गीतांजलि पर प्रकाश डाला. साहित्यिक गोष्ठी का संचालन सन्तोष मोहन्ती ने बशीरबद्र के शेरों को पढ़ते हुए किया.

पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी भी

इंदौर. विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के उपलक्ष्य में जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित 34 वें वार्षिक पर्यावरण संवाद सप्ताह 2026 के चौथे दिन एडु सीरमएक्स नर्सिंग कॉलेज में पर्यावरणविद और समाजसेविका पद्मश्री डॉ. जनक पलटा मगिलिगन के मुख्य आतिथ्य में जलवायु कार्रवाई में नर्सों की भूमिका विषय प्रेरणादायी आयोजन हुआ. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार संरक्षक बनने तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में स्वास्थ्य पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाने के लिए प्रेरित करना था. कार्यक्रम में डॉ. जनक पलटा मगिलिगन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है. कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा इसका इंटरेक्टिव सत्र था, जिसमें नर्सिंग छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु कार्रवाई से संबंधित विचारोतेजक प्रश्न पूछकर बड़े उत्साह से भाग लिया. अंत में पर्यावरण शपथ ली गई.

सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप द्वारा शरबत वितरण

इंदौर. भीषण एवं झिलमिलाती गर्मी में मानव सेवा का भाव लेकर सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप द्वारा शरबत वितरण सेवा का आयोजन किया गया. यह सेवाकार्य शनि मंदिर, एलआईजी कॉर्नर, एबी रोड पर आयोजित हुआ, जहां राहगीरों, मजदूरों एवं आमजन को ठंडा शरबत वितरित किया गया. इस आयोजन में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई. तेज धूप और गर्मी के बीच लोगों को शरबत पिलाकर राहत पहुंचाई गई. सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है तथा गर्मी के मौसम में इस प्रकार के सेवाकार्य लोगों को राहत पहुंचाने का माध्यम बनते हैं.

दिगम्बर जैन सामाजिक संसद की बैठक सम्पन्न

इंदौर. दिगम्बर जैन सामाजिक संसद की बैठक एमके जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. इसमें मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज का पावन वर्षायोग हेतु श्रीफल भेंट करने का निर्णय लिया गया. इन्दौर सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा ने कहा कि पूर्व तन मन धन से सामाजिक संसद के सहयोग से यह वर्षायोग सफलता पूर्वक पूर्ण करेंगे. इसके अलावा जितने भी चातुर्मास इन्दौर शहर में होंगे, उनमें भी सामाजिक संसद पूर्ण सहयोग करेगा. महामंत्री हर्ष जैन ने बताया कि शहर के 136 मंदिरों से लगभग 100 बसों से लेकर 7 जून रविवार को श्रीफल भेंट करने इन्दौर शहर से सभी धर्मप्रेमी जायेंगे. कार्याध्यक्ष नवीन गोधा ने भी कहा कि पूर्व में भी प्रमाण सागर महाराज का चातुर्मास कराया था. उससे भी अधिक उत्साह के साथ मुनि सुधा सागर महाराज का वर्षायोग सम्पन्न होगा और एतिहासिक होगा. प्रवीण जैन ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य रुप से विजय पाटोदी, प्रिंसिपल टोग्या, संजय जैन, मुकेश जैन, संजय मेन्नस, सचिन उद्योगपति, बाहुबली जैन, अशोक शास्त्री, मनीष जैन, प्रियांशु जैन, डीके जैन, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष साधना दगड़े, रेखा जैन के साथ कई मंदिरों के अध्यक्ष सचिव शामिल हुए.

अभिमंत्रित श्रीयंत्र एवं रुद्राक्ष का पूजन

इंदौर. पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में गुरुवार 4 जून को अपराह्न 4 बजे से एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका पर आयोजित हो रहे सिद्ध श्रीचक्र साधना महोत्सव में शामिल होने वाले साधकों के लिए हिमालय स्थित विभिन्न देवालयों से अभिमंत्रित रुद्राक्ष, श्रीयंत्र एवं अन्य पूजन सामग्री को मंगलवार को ब्रह्मचारी आचार्य प्रशांत ने श्रीविद्याधाम के वेदपाठी बटुकों के साथ माँ ललितम्बा महा त्रिपुर सुंदरी भगवती को समर्पित किया. नरसिंह वाटिका स्थित अनुष्ठान स्थल का भी गोबर एवं पंचगव्य से लीपकर शुद्धिकरण किया जा रहा है. अनुष्ठान के निमन्त्रण इंदौर-उज्जैन के महाकालेश्वर, खजराना गणेश, रणजीत हनुमान, अन्नपूर्णा एवं अन्य सभी प्रमुख देवालयों में समर्पित किए जा चुके हैं. अनुष्ठान के सूत्रधार गुप्तकाशी-केदारखंड के आचार्य प्रशांत ब्रह्मचारी के निर्देशन में लंबे अरसे बाद शहर में हो रहे इस अनुष्ठान के प्रति साधकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. 500 साधकों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 350 से अधिक साधकों के पंजीयन हो चुके हैं. पंजीयन पहले आएं पहले पाएं आधार पर ही संभव होगे. गंगा के उदगम स्थल गोमुख से अभिमंत्रित और बद्रीनाथ धाम से सिद्ध किए गए गोमती चक्र, केदारनाथ के चरणों से स्पर्श कराए गए पवित्र रुद्राक्ष सहित पवित्र गंगा जल से साधकों के शुद्धिकरण के साथ गुरुवार 4 जून को अपराह्न 4 बजे इस दिव्य अनुष्ठान का शुभारंभ होगा. यह सम्पूर्ण अनुष्ठान महामंडलेश्वर स्वामी गिरिजानंद जी सरस्वती 'भगवन' द्वारा बताई गई शास्त्रोक्त क्रियाओं के अनुरूप ही होगा.